उत्कर्ष

प्रगति पथ पर अग्रसर सीसीएल की एक पत्रिका

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

दरभंगा हाउस, राँची

@CCLRanchi @CentralCoalfieldsLimited centralcoalfieldltd Central Coalfields Limited centralcoalfields.in

उत्कर्ष

सीसीएल की एक पत्रिका

अंक : 1 | अगस्त, 2021

अध्यक्ष

श्री पी. एम. प्रसाद
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री वी. के. श्रीवास्तव
निदेशक (तकनीकि/संचालन)

श्री भोला सिंह
निदेशक (तकनीकि) (यो. एवं परि.)

श्री पीवीकेआर मल्लिकार्जुना राव
निदेशक (कार्मिक)

श्री सुमीत कुमार सिन्हा
मुख्य सतर्कता अधिकारी

सम्पादक मण्डल

अनुपम कुमार राणा
विभागाध्यक्ष, जनसम्पर्क विभाग

अंकुर गौतम
सहायक प्रबंधक (कार्मिक), ज.सं. विभाग

मयंक कश्यप
सहायक प्रबंधक (सामु.वि.), ज.सं. विभाग

दिविक दिवेश
सहायक प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक सम्पादक

तपन कुमार बरियार
ऋषिकान्त कुमार पाण्डे
संदीप सेनगुप्ता
जनसम्पर्क विभाग

आवरण/पृष्ठसज्जा
तपन कुमार बरियार
जनसम्पर्क विभाग, सीसीएल

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
अध्यक्ष की कलम से...	1
निदेशक (तकनीकि/संचालन) का संदेश	2
निदेशक (तकनीकि)(यो. एवं परि.) का संदेश	3
निदेशक (वित्त) का संदेश	4
निदेशक (कार्मिक) का संदेश	5
मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश	6
कोरोना काल में सीसीएल की भूमिका	7
सीसीएल का कोरोना महामारी के दौरान शानदार प्रदर्शन	8
पर्यावरण के क्षेत्र में सीसीएल ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए	9
पर्यावरण विकास के लिए एक पहल – 'कायाकल्प वाटिका'	10
सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सीसीएल की भूमिका	11
सीसीएल का खान सुरक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन	15
मानव संसाधन विकास विभाग, सीसीएल की उपलब्धियाँ	16
सीसीएल के गौरवपूर्ण क्षण	17
कविताएँ	18
कार्यालय में उपयोग की जाने वाली विदेशज अभिव्यक्तियों का हिंदी रूपांतरण	19
कोरोना से जंग हारने वाले दिवंगत सीसीएल कर्मियों को श्रद्धांजलि	20
खबरों में सीसीएल	22
सोशल मीडिया में सीसीएल	23
टोक्यो ओलम्पिक 2020 में स्वर्णिम इतिहास रचने एवं देश को गौरवान्वित करने वाले भारत के अनमोल रत्न	24

सम्पादकीय

सबसे पहले स्वतंत्रता दिवस के लिए आप सब को हार्दिक शुभकामनाएं! इस पावन अवसर पर उन तमाम अमर वीर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुये सीसीएल की वार्षिक पत्रिका 'उत्कर्ष' का प्रथम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुये अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। इस पत्रिका के माध्यम से अपनी कंपनी के उत्पादन-उत्पादकता, उठाव-प्रेषण, विपणन-विक्रय, वन-पर्यावरण, प्रबंधन के गुर एवं सृजनात्मक साहित्यिक व सांस्कृतिक विषयों पर आधारित लेखों, जैसे उन तमाम उपलब्धियों एवं गतिविधियों आदि से अपने प्रबुद्ध पाठकों को अवगत कराना हमारा प्रयास है। साथ ही राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार का भी हमारा लघु प्रयास है।

किसी पत्रिका के प्रकाशन में हर सावधानियों के बावजूद त्रुटियों का रह जाना स्वाभाविक हो सकता है। हमारे पूर्व राष्ट्रपति एवं सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डा० एपीजे अब्दुल कलाम की एक पंक्ति अनायास ही मानस पटल पर आता है - ''कदम, कलम और कसम हमेशा सोच समझकर ही उठाना चाहिए''। हमनें भी इस पत्रिका के प्रकाशन में अपनी सुझबूझ और सावधानियां बरती हैं। फिर भी यदि पाठकों को कोई त्रुटि नजर आये तो हमारे प्रबुद्ध पाठक बखूबी त्रुटि सुधार करते हुये विषय-वस्तु को समझेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

अध्यक्ष की कलम से...

सर्वप्रथम आप सभी को 75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। आज के ही दिन हमारा देश अपने वीर सपूतों के सहस्र बलिदानों के बाद शताब्दियों की परतंत्रता से मुक्त हुआ था। आइए, आज हम सब मिलकर उन महान क्रांतिकारियों एवं देश पर मर मिटने वाले अमर शहीदों की स्मृति में अपने शीश झुका कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए उनके सर्वस्व बलिदान को याद करें। सीसीएल परिवार उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत–शत नमन करता है।

देश की ऊर्जा आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु सीसीएल कृतसंकल्पित है। मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि स्वतंत्रता दिवस के इस पावन उपलक्ष्य पर आपकी कंपनी की महत्वपूर्ण गतिविधियों, उपलब्धियों एवं सामाजिक सरोकार आदि के कार्यों से आपको अवगत कराने के उद्देश्य से प्रकाशित सीसीएल की पत्रिका "उत्कर्ष" आपके हाथ में है।

आज भारत सहित पूरा विश्व अभूतपूर्व कोविड–19 महामारी की चपेट में है। इस कठिन दौर में हम लोगों ने कई अपनों को खोया है। ऐसी कई हृदयविदारक घटनाएँ–परिस्थितियों को हमने देखा–पढ़ा है जो हमारे मन को व्यथित करती हैं परंतु आज मैं आपको भारत के उन धीर–वीर–दृढ़ सपूतों की याद दिलाना चाहता हूँ जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी असंभव को संभव कर दिखाया है। इतिहास साक्षी है कि हमनें जब–जब एकजूट होकर कार्य किया है, हमने विजय प्राप्त की है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कोरोना रूपी यह बादल कितना भी घनघोर क्यों न हो, एक न एक दिन छँटेगा जरूर। बस हमें सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का यथोचित उपयोग जैसी सावधानियों के साथ 100% टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना पड़ेगा। हमें इस आशा और विश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना है भले ही आज कठिनाई है, कल बेहतर होगा और यदि हम उम्मीद न छोड़ें तो भविष्य अवश्य ही बेहतरीन होगा।

इसी धारणा के साथ सीसीएल भी निरन्तर अपने कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ रहा है। आज के इस कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए सीसीएल परिवार अपने उत्पादन–उत्पादकता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत् प्रयासरत है। हमारे परिवार का प्रत्येक सदस्य कर्तव्यनिष्ठा एवं दृढ़संकल्प के साथ अपने कार्य को निष्पादित कर रहा है। हमारा निरंतर प्रयास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय के आत्मनिर्भर भारत अभियान में सीसीएल का महत्वपूर्ण योगदान रहे। हम सिर्फ उत्पादन या उत्पादकता का ही ध्यान नहीं रखते बल्कि अपने सामाजिक कर्तव्यों के प्रति पूरी सजगता के साथ अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन कर रहे हैं। चाहे वह खान सुरक्षा से संबंधित विषय हो या फिर लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक उत्थान से हमारा सार्थक प्रयास निरन्तर जारी है और रहेगा। मैं केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

आपके स्वास्थ और खुशहाल जीवन की मंगल कामनाओं के साथ पुनः धन्यवाद!

(पी. एम. प्रसाद)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

निदेशक (तकनीकी/संचालन) का संदेश

आप सभी को 75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई! स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर आज मैं देश के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए वीरों को शत्–शत् नमन करता हूँ।

आज हम कोरोना संक्रमण काल के विकट और अभूतपूर्व समस्या से जूझ रहे हैं। इससे बचने–बचाने के उपायों में हमारा ध्यान केन्द्रित है। हम सामाजिक दूरी का अनुपालन कर रहे हैं। कोविड–19 के सारे नियमों का पालन करते हुए देश के स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर को पूरे हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। हमारे महान विभूतियों के काफी संघर्ष और बलिदान के बाद हमें यह अवसर प्राप्त हुआ है। उन सभी शहीदों तथा विभूतियों को अपनी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आप सभी को एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ!

कोरोना महामारी के दौरान हमारे चिकित्सक, पारामेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मचारी के साथ–साथ कोयला कर्मी भी अपने जान जोखिम में डालकर कोयला उत्पादन करने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ खदानों में डटे हुए हैं तथा कोयले का निरंतर उत्पादन कर रहे हैं ताकि ऊर्जा संयंत्रों में कोयले की कमी न हो पाए एवं देशवासियों को निर्बाध बिजली की आपूर्ति होती रहे। सीसीएल वृहत परिवार का प्रत्येक सदस्य, विभागीय कर्मी एवं ठेका कर्मी कोरोना योद्धा हैं और मैं उन सभी कोराना योद्धाओं के जज्बे को सलाम करता हूँ।

इस वैश्विक महामारी से जीतने के लिए जरूरी है कि हम सब एकजुट होकर सरकार के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन करें जैसे – मास्क पहनना, हाथों को बार–बार साबुन से धोना या सैनिटाइज करना, सामाजिक दूरी का अनुपालन करने के साथ–साथ अपने घरों एवं आस–पास तथा कार्य स्थल में स्वच्छता बनाए रखना और अपनी बारी आने पर टीका अवश्य लगवाना।

सीसीएल के रजरप्पा क्षेत्र को कोरोना काल के दौरान अस्पतालों के सैनिटाइजेशन, क्षेत्रों में झाड़ियों की सफाई, नालियों की सफाई, सफाई कर्मियों के मध्य फेस मास्क एवं दस्तानों का वितरण, दुकानदारों के बीच कागज के कप एवं स्ट्रॉ का वितरण आदि कार्यों के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "स्वच्छता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

कोरोना के विरूद्ध लड़ाई को सुदृढ़ करने के लिए पूरे देश में टीकाकरण अभियान चल रहा है। इस अभियान में सीसीएल भी अपनी पूरी क्षमता के साथ शामिल है। अबतक सीसीएल के 9 केन्द्रों से 90,000 से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

इस महामारी के विरूद्ध लड़ते हुए सीसीएल कोयला उत्पादन–उत्पादकता के लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए सतत् प्रयासरत है। 26 मार्च, 2021 को एक दिन में 80 रेक कोयला प्रेषण कर सीसीएल ने अपना ही एक सप्ताह पूर्व का कीर्तिमान (77 रेक) को पीछे छोड़कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इतना ही नहीं, वित्तीय वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में कोयला उत्पादन के आँकड़े में सकारात्मक वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन में 51% एवं उठाव में 64% की वृद्धि हासिल की है। सीसीएल खान सुरक्षा के प्रति भी गंभीर है। सीसीएल को सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने "कोल मिनिस्टर सेफ्टी अवार्ड" प्रदान किया।

पुनः आप सभी को स्वतंत्रता दिवस के हार्दिक शुभकामना एवं बधाई !

(वी. के. श्रीवास्तव)

निदेशक (तकनीकि)(यो./परि.) का संदेश

सीसीएल वृहत परिवार के सभी सदस्यों को 75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई!

वैश्विक महामारी कोविड–19 ने आज सम्पूर्ण मानवजाति के समक्ष एक ऐसी विपरीत परिस्थितियाँ उत्पन्न कर दी है, जिसके बारे में शायद हमने सपनों में भी नहीं सोचा होगा। इस वैश्विक महामारी को हराने के लिए हमें एकजुट होकर सरकार के सारे निर्देशों जैसे – सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, मास्क पहनना, स्वच्छता के नियमों का पालन करना, अपनी बारी आने पर टीका लगवाना आदि का पालन करना नितांत आवश्यक है। जिससे कि हम इस आपदा के दौरान भी अपने निरंतर प्रयासों से न सिर्फ अपने स्टेकहोल्डर्स के लिए कल्याणकारी कार्य कर सकते हैं अपितु कोयला उत्पादन–उत्पादकता का लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं।

पेड़–पौधे मनुष्य के मित्र हैं और हम सभी का कर्तव्य बनता है कि पर्यावरण को हम न सिर्फ बचायें बल्कि उसको और सुन्दर बनाने में अपना योगदान दें। एक जिम्मेदार सार्वजनिक उपक्रम की भूमिका निभाते हुए सीसीएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाये गये हैं। वर्ष 1992 से अब तक सीसीएल द्वारा 85 लाख से भी अधिक पौधे लगाकर सघन वनीकरण किया जा चुका है और आगामी पांच वर्षों में सीसीएल की योजना लगभग 450 हेक्टेयर से भी ज्यादा भूमि पर 11 लाख से अधिक पौधों को लगाकर सघन वनीकरण करने की है। सीसीएल द्वारा रेलवे साइडिंग के वायु की गुणवत्ता के सतत् निगरानी हेतु 25 की संख्या में PM_{10} Analyser सभी साईडिंग में लगाई जा चुकी है। इन मशीनों से PM_{10} के स्तर की रियल टाईम ऑन लाईन मॉनिटरिंग 24 घंटे की जा सकती है। इनमें से अधिकतर मशीनों को झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (Jharkhand State Pollution Control Board) से जोड़ दी गयी है।

स्वच्छता के क्षेत्र में भी सीसीएल अहम भूमिका निभा रही है। सीसीएल के रजरप्पा क्षेत्र द्वारा कोरोना काल के दौरान अस्पतालों का पूर्ण विसंक्रमण, निकटवर्ती क्षेत्रों में नालियों की सफाई एवं झाड़ियों की कटाई की गई। साथ ही स्थानीय दुकानदारों के मध्य कागज के कप एवं स्ट्रॉ का वितरण, सफाई कर्मियों के बीच दस्ताने एवं मास्क आदि का वितरण किया गया तथा सभी को इसका उपयोग करने हेतु प्रेरित भी किया गया। रजरप्पा क्षेत्र को स्वच्छता के प्रति उल्लेखनीय कार्यों के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

सीसीएल खान सुरक्षा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रही है जिसके फलस्वरूप सीसीएल ने सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी से "कोल मिनिस्टर सेफ्टी अवार्ड" प्राप्त किया।

आइए ! हम सब मिलकर सीसीएल वृहत परिवार के कोरोना योद्धाओं के प्रति आभार व्यक्त करें, उनकी हौसला अफजाई करें ताकि वे आने वाले दिनों में भी कल्याण भावना के साथ झारखण्ड वासियों की सेवा करते रहें और झारखण्ड को कोरोना मुक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहें।

(भोला सिंह)

निदेशक (वित्त) का संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जनसम्पर्क विभाग की टीम द्वारा वार्षिक पत्रिका 'उत्कर्ष' का प्रकाशन 75वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हो रहा है जो एक सराहनीय प्रयास है।

वैश्विक कोरोना महामारी के इस विपदा काल ने हम सभी को 'समय एवं प्रकृति' का बोध कराते हुये अपने जीवनशैली, तौर–तरीकों के बारे में आत्ममंथन करने को मजबूर किया है। लेकिन आशावादी हर आपदा में एक अवसर देखते हैं। इसी विश्वास के साथ हमारी कम्पनी अपने कार्मिकों एवं हितधारकों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी सकारात्मक सोच के साथ देश की प्रगति में निरंतर योगदान दे रहा है।

सीसीएल अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति दृढ़संकल्पित है और इसके निर्वहन के लिए प्रतिबद्ध भी है। कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी सीसीएल ने तत्परता के साथ ग्रामीणों, गरीबों, श्रमिकों एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है। लॉकडाउन के दौरान सीसीएल सभी जरूरतमंदों की सामाजिक, आर्थिक एवं चिकित्सीय सहायता के लिए हमेशा खड़ा रहा। लॉकडाउन के दौरान राज्य के जरूरतमंदों एवं बाहर से आ रहे प्रवासी श्रमिकों के भोजन–पेयजल की व्यवस्था की गई एवं खाद्य–सामग्रियों का वितरण किया गया। मास्क, सैनिटाइजर आदि का भी वितरण किया गया। सीसीएल के कमान क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पंचायतों को सैनिटाइज करने का भी काम किया गया। प्रशासन के साथ मिलकर भारत सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। सीसीएल ने कोरोना के विरूद्ध मोर्चे को जारी रखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, झारखण्ड को 20 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

सीसीएल द्वारा अब तक राँची, रामगढ़, बोकारो, चतरा, हजारीबाग एवं लातेहार जिला प्रशासन के साथ किये जा चुके समझौते ज्ञापन के अंतर्गत कुल 728 आंगनबाड़ी केन्द्रों को लगभग 11 करोड़ की लागत से मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक कंपनी द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अद्यतन जानकारी पहुँचाई जा सकती है। जिससे निश्चित लाभ आमजन को प्राप्त होगा।

मैं इस पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ तथा इससे जुड़े संपादक एवं लेखकगण को ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ।

(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (कार्मिक) का संदेश

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई! हम समस्त देशवासी स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर उन तमाम वीरों को नमन करता हूँ जिनकी कुर्बानियों के बदौलत यह संभव हो सका है।

यह इसलिए भी संभव हो सका क्योंकि जाति, धर्म, संप्रदाय और भिन्न–भिन्न सामाजिक परंपराओं से ऊपर उठकर समस्त देशवासी अनेकता में एकता कायम रखते हुए इसके लिए एक साथ लड़ाई लड़ी। तब जाकर हमारा देश आजाद हो पाया। आज कोरोना रूपी महामारी हमारे सामने भयावह रूप लिए खड़ा है जिसने विश्व के समस्त मानव जाति के समक्ष एक अभूतपूर्व कठिन परिस्थिति प्रस्तुत कर दी है। इस महामारी को हराने के लिए यह आवश्यक है कि पूरा देश एक साथ खड़ा होकर सरकार के सारे निर्देशों का अक्षरशः पालन करे। मास्क पहनना, हाथों को निरंतर साबुन से धोना या सैनिटाइज करना, सोशल डिस्टेंसिंग का अनुसरण करना हमारे और हमारे परिवार की सुरक्षा के लिए नितांत आवश्यक है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे इन प्रयासों से बहुत जल्द ही कोरोना वायरस से भी हमें आजादी मिलेगी।

सीसीएल परिवार द्वारा इस आपदा के दौरान अपने स्टेकहोल्डर्स के स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित किया गया। कर्मियों और सीसीएल प्रबंधन के बीच विश्वास की कड़ी को और मजबूत करने का भी हमेशा हमारा प्रयास रहा है। टीम सीसीएल ने लॉकडाउन के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा, कर्मठता और समर्पण भाव से निभाते हुए अपने कमांड क्षेत्रों में निरंतर गरीबों, दिहाड़ी मज़दूरो एवं जरुरतमंदो के बीच खाद्य सामग्री की आपूर्ति किया गया। बरका सयाल, अरगडा, उत्तरी कर्णपुरा, राजहरा, पिपरवार, रजरप्पा, कुजू, हजारीबाग, बोकारो एवं करगली, ढोरी, कथारा, मगध–संघमित्रा, आम्रपाली–चंद्रगुप्त, गिरिडीह आदि क्षेत्रों में लगभग 490 क्विंटल खाद्य सामग्री जैसे चावल, दाल, नमक, आटा, सरसों का तेल, सोया बरी, चूड़ा, मसाले, आलू, प्याज इत्यादि उपलब्ध कराया गया। सामुदायिक रसोई के माध्यम से लगभग 9,000 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। साथ ही कंपनी के द्वारा लगभग 24,000 परिवारों के बीच खाने का पैकेट भी वितरित किया गया। सीसीएल कमांड क्षेत्र के 37 ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक स्थानों, चबूतरों, हैंड पंप के आसपास के स्थान आदि को सैनिटाइज़ किया गया है। कंपनी के द्वारा सीएसआर के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण महिलाओं से लॉकडाउन के दौरान लगभग 4000 हस्त निर्मित मास्क क्रय कर जरुरतमंदो के बीच वितरित किया गया।

लॉकडाउन के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा प्रवासी श्रमिकों के लिए चलाई गई "श्रमिक स्पेशल ट्रेन" से अपने परिवार के साथ वापस घर लौट रहे हज़ारो श्रमिक बंधुओं को सीसीएल टीम के द्वारा राँची, हटिया और बरकाकाना रेलवे स्टेशन पर लगभग 14000 से ज्यादा फूड पैकेट्स और पानी बोतलें उपलब्ध कराई गयी। सीसीएल की मेडिकल टीम ने समय की पराकाष्ठा पर खरे उतरते हुए गांधीनगर और रामगढ़ केंद्रीय अस्पताल में 1750 से भी अधिक कोरोना संक्रमित मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज कर चुकी है।

इन सभी उपलब्धियाँ और सामाजिक कार्य में सीसीएल परिवार के हर एक सदस्य, विभाग और सचिवालय का सहयोग रहा है, जिसके बगैर हर एक प्रयास, पहल और कार्य अकल्पनीय है। यह उदाहरण है हमारी टीम वर्क, समन्वय और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण का जिसके लिए मैं सीएमडी सीसीएल, अपने सहयोगी निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

(पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव)

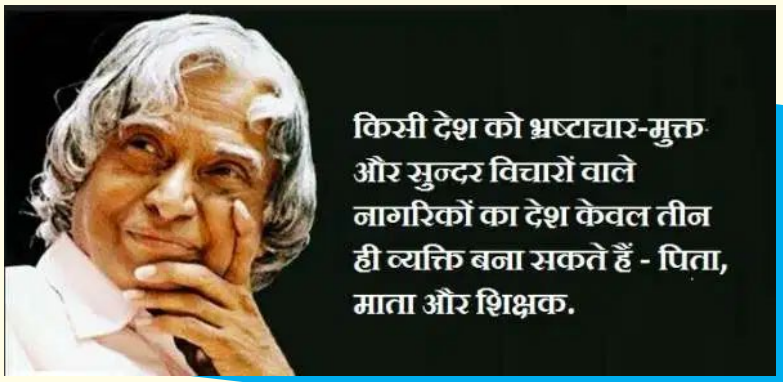

आपका अंतःकरण ही भ्रष्टाचार के विरूद्ध सर्वोत्तम प्रहरी है। इसे सदैव प्रबल बना रहने दीजिए।

भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना है, हमें यह अभियान चलाना है।

कोरोना काल में सीसीएल की भूमिका

अभूतपूर्व विश्वव्यापी कोरोना महामारी के आपदा काल के बीच भी टीम सीसीएल देश की ऊर्जा आपूर्ति के साथ–साथ अपने हितधारकों के सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रही।

हमारे सभी कोयला कर्मी इस महामारी के दौरान भी सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सैनिटाइजर एवं सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल करते हुए कोयला उत्पादन एवं प्रेषण के लिए खदानों में पूरी मुस्तैदी के साथ डटे रहे। जिसके परिणामस्वरूप इन विषम परिस्थितियों में भी देश के पावर प्लांट्स में कोयले की कमी न हो सकी और देशवासियों को निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति होती रही। इस वैश्विक महामारी में हमारी कम्पनी ने अपने हितधारकों, ग्रामीणों एवं गरीबों के स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आमजन को मदद पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस महामारी के दौरान टीम सीसीएल हमेशा जरूरतमंदों को समुचित मदद पहुँचाती रही। कोई भी भूखा न सोये, इसलिए सीसीएल ने झारखण्ड के 8 जिलो में स्थित अपने कमांड क्षेत्रों में 30,000 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को राशन के पैकेट्स तथा पके हुए भोजन के 7,000 से अधिक पैकेट्स का वितरण किया।

कोरोना काल में लॉकडाउन के दौ. रान श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से सफर कर रहे 14,000 से अधिक प्रवासी श्रमिकों को सीसीएल अपने कमांड क्षेत्र में स्थित राँची, हटिया, मूरी, बरकाकाना इत्यादि स्टेशनों पर फुड पैकेट्स तथा पानी के बोतल का वितरण किया।

टीम सीसीएल द्वारा लॉकडाउन के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा, कर्मठता और समर्पण भाव को निभाते हुए अपने कमांड क्षेत्रों में निरंतर गरीबों, दिहाड़ी मज़दूरो एवं जरुरतमंदो के बीच सूखे राशन की आपूर्ति की। बरका सयाल, अरगडा, उत्तरी कर्णपुरा, राजहरा, पिपरवार, रजरप्पा, कुजू, हजारीबाग, बोकारो एवं करगली, ढोरी, कथारा, मगध एवं आम्रपाली, गिरिडीह आदि क्षेत्रों में लगभग 490 क्विंटल खाद्य सामग्री जैसे चावल, दाल, नमक, आटा, सरसों का तेल, सोया बरी, चूड़ा, मसाले, आलू, प्याज इत्यादि उपलब्ध कराया गया।

कोरोना महामारी से निपटने के लिए सामाजिक समन्वय की जरूरत है। इसी कड़ी में सीसीएल द्वारा बरका–सयाल एवं रजरप्पा क्षेत्र में सामुदायिक रसोई का संचालन किया गया जिसमें जरूरतमंद लोगों को खाने–पीने की सुविधा मिलती रही। इन सामुदायिक रसोईघरों से लगभग 9,000 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया।

कोरोना महामारी ने हमारी जीवनशैली सहित हमारे तौर तरीके भी बदल दिए है। इस महामारी से बचने के लिए मास्क एवं सैनेटाईजर का उपयोग अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसके लिए टीम सीसीएल ने राज्य सरकार के साथ मिलकर कोरोना से बचाव के लिए 35,000 से अधिक मास्क तथा 3,000 से अधिक सैनिटाइजर बोतलों (100 एमएल) का वितरण ग्रामीणों, प्रेस मीडिया और अन्य स्टेकहोल्डर्स के बीच किया। सीसीएल के अस्पतालों में चिकित्सा कर्मियों, पारा मेडिकल कर्मियों एवं सफाई कर्मियों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर मानव जाति की रक्षा करने की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने मजबूत कंधों पर उठा रखी है।

सीसीएल का गांधीनगर अस्पताल, कोल इण्डिया का पहला कोविड अस्पताल बना। हमारे दो केन्द्रीय अस्पताल – गाँधीनगर एवं रामगढ़ में हमारी मेडिकल टीम ने 1750 से अधिक कोरोना संक्रमित मरीजों का सफलतापूर्वक ईलाज किया। सीसीएल प्रबंधन ने अपने अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सा कर्मियों, पारा चिकित्सा कर्मियों एवं सफाई कर्मियों को सुरक्षित रखने के लिए 3,100 से अधिक पीपीई कीट खरीदे। प्रबंधन द्वारा सात अतिरिक्त वेंटिलेटर भी खरीदे गए है। इसमें तीन आईसीयू और चार पोर्टेबल वेंटीलेटर हैं।

सीसीएल ने कोरोना के विरूद्ध युद्ध को जारी रखते हुए स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी, झारखण्ड को 20 करोड़ रूपये का आर्थिक सहायता प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त सीसीएल ने अपने कमांड क्षेत्र में आने वाले जिलों के स्थानीय प्रशासन को एक करोड़ 25 लाख रूपये (राँची – रू. 20 लाख, रामगढ़ – रू. 20 लाख, हजारीबाग – रू. 20 लाख, बोकारो – रू. 20 लाख, चतरा – रू. 20 लाख, लातेहार – रू. 20 लाख एवं पलामू – रू. 5 लाख) की सहायता राशि प्रदान किया।

सीसीएल द्वारा अब तक राँची, रामगढ़, बोकारो, चतरा, हजारीबाग एवं लातेहार जिला प्रशासन के साथ किये जा चुके समझौते ज्ञापन के अंतर्गत कुल 728 आंगनबाड़ी केन्द्रों को 10 करोड़ 92 लाख की लागत से मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कोरोना के विरूद्ध लड़ाई को सुदृढ़ करने के लिए पूरे देश में टीकाकरण अभियान चल रहा है। इस अभियान में सीसीएल भी अपनी पूरी क्षमता के साथ शामिल है। अबतक सीसीएल के 9 केन्द्रों से 90,000 से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

कोरोना महामारी के बावजूद सीसीएल का शानदार प्रदर्शन

कोरोना महामारी की विषम एवं विकट परिस्थिति में भी हमारी कंपनी ने निर्बाध रूप से कोयला उत्पादन एवं प्रेषण जारी रखा। पूरे देश में 24 मार्च, 2020 को लॉकडाउन घोषित किया गया और यह कई महीनों तक चला। लॉकडाउन के दौरान आवाजाही पर पाबंदियों और कोविड के खतरे के बावजूद, हमारी कंपनी द्वारा न सिर्फ उपभोक्ताओं को कोयले की निरंतर आपूर्ति बनाए रखा बल्कि हमारे अस्पतालों में कोविड मरीजों की देखभाल तथा समुचित चिकित्सा सेवा प्रदान भी किया गया, साथ ही साथ पीएम केयर्स फंड, झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन को आर्थिक मदद और जरूरी सहायता करने में भी पीछे नहीं रही।

सीसीएल ने 62.59 एमटी कोयला का उत्पादन, 103.62 एमएम^3 ओवरबर्डन निष्पादन और 65.4 एमटी कोयले का प्रेषण किया। अत्यधिक चुनौतीपूर्ण कार्य वातावरण के बावजूद ओवरबर्डन हटाने में वृद्धि दर्ज की।

कुछ खानों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। निम्नलिखित खानों ने कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की:

(क) मगध ओसी – 8.12 मीट्रिक टन, 56% की वृद्धि

(ख) आम्रपाली ओसी – 14.4 मीट्रिक टन, 13% की वृद्धि

(ग) अशोक ओसी – 13.85 मीट्रिक टन, 32% की वृद्धि

(घ) केडी हेसालोंग ओसी – 1.24 मीट्रिक टन, 109% की वृद्धि

वित्त वर्ष 2020–21 में रेल के माध्यम से कोयला प्रेषण में 12% की वृद्धि दर्ज की गई। 2019–20 में 35 रेक/दिन की तुलना में वित्त वर्ष 20–21 में औसत रेक लोडिंग/दिन लगभग 39 था। कंपनी ने एक दिन में 80 रेक की सबसे अधिक रेक लोडिंग का अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया। मार्च में 7.53 एमटी का रिकॉर्ड कोयला प्रेषण दर्ज किया गया जो कि 36% की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों में सबसे अधिक रहा। जुलाई 2020 में फुलबसिया साइडिंग को लॉन्ग हॉल रेक लोडिंग साइडिंग में बदल दिया गया। कंपनी के पास पहले से ही लॉन्ग हॉल रेक लोडिंग की सुविधा शिवपुर साइडिंग में उपलब्ध है।

हमारी कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में लगभग 2.8 एमटी का स्टॉक लिक्विडेशन हासिल किया गया।

संघमित्रा ओसीपी (20 एमटीवाई), चंद्रगुप्त ओसीपी (15 एमटीवाई) और रोहिणी करकट्टा ओसीपी (10 एमटीवाई) की मेगा खदानों सहित कुल 63.75 एमटीवाई की वार्षिक क्षमता की ग्यारह परियोजना रिपोर्टों को मंजूरी दी गई।

मेगा माइंस जैसे सेलेक्टेड ढोरी जीओएम (11 एमटीपीए), केडीएच एक्सपेंशन (5 एमटीपीए) सहित 26.85 एमटीपीए की ओसीपी और नई कोकिंग कोल वाशरीज – बसंतपुर तापिन कोकिंग कोल वाशरी (4 एमटीपीए), न्यू कथारा कोकिंग कोल वाशरी (3 एमटीपीए) के लिए पर्यावरण मंजूरी दी गई। रजरप्पा ओसीपी (277.15 हेक्टेयर) के लिए स्टेज– I और अमलो ओसीपी–39.663 हेक्टेयर के लिए स्टेज– II फॉरेस्ट्री क्लियरेंस वन विभाग से प्राप्त कर ली गई है।

अवसंरचना विकास के क्षेत्र में भी कंपनी ने कई काम किए। 3 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं – मगध (20 एमटीवाई), आम्रपाली (12 एमटीवाई) और नॉर्थ उरीमारी (7.5 एमटीवाई) के सीएचपी/साइलो (CHP/Silo) के निर्माण के लिए वर्क अवार्ड किया गया। कोनार रेलवे साइडिंग को ईस्टर्न सेन्ट्रल रेलवे (EC Railway) द्वारा 46 करोड़ रुपये (लगभग) की लागत से पूरा किया गया है। ईसी रेलवे को टोरी और शिवपुर के बीच तीसरी रेलवे लाइन के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि दी गई है।

सीसीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 1700 करोड़ रुपये का कैपीटल एक्सपेंडिचर किया, जो कंपनी के लक्ष्य का 125% था। कंपनी ने सीबीए अधिनियम के तहत अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में झारखंड सरकार को 550 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया। झारखंड सरकार को भुगतान की गई कुल राशि 598 करोड़ रु. है।

सीआईएल में पहला एमडीओ अनुबंध कोतरे–बसंतपुर–पचमो ओसीपी (5.0 एमटीवाई) के लिए 25 साल के लिए किया गया जिसका अनुबंध मूल्य 10,967 करोड़ रुपये का है।

सीएसआर के तहत कुल 48.25 करोड़ रूपये खर्च किए गए जो कि 46.46 करोड़ के सीएसआर व्यय लक्ष्य से ज्यादा रहा।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न हुई विपरीत परिस्थितियों में भी टीम सीसीएल ने पूरे समर्पण से कार्य करते हुये इस वित्तीय वर्ष की शानदार शुरूआत की। हमनें पहली तिमाही में कोयला उत्पादन में 51% की वृद्धि दर्ज की है। इसी तरह पहली तिमाही में कोयला ऑफटेक में भी रिकॉर्ड 64% की बढ़त कंपनी द्वारा हासिल की गयी।

पर्यावरण के क्षेत्र में सीसीएल के महत्वपूर्ण कदम

सीसीएल में कोयला खनन के साथ पर्यावरण पारिस्थितिकी विकास और प्रदूषण नियंत्रण को उच्च प्राथमिकता दी जाती है। कंपनी का उद्देश्य सस्टेनेबल माइनिंग द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। इकाइयों में वायु गुणवत्ता एवं पानी व ध्वनि प्रदुषण के स्तर के संबंध में निरंतर निगरानी की जाती है जो न केवल वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करती है बल्कि हमारे पर्यावरण सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण को भी दर्शाती है। हमारा उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण की नई प्रणालियों तथा पर्यावरण क्षेत्र में हो रही नई नवीनतम तकनीकी विकास को अपनाते हुए अपने लक्ष्य प्राप्त करना है।

सीसीएल ओपन कास्ट माइनिंग के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों से अच्छी तरह अभिज्ञ है। इसलिए हम प्रदूषण नियंत्रण, भूमि रिक्लेमेशन और पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने को प्राथमिकता देते हैं। हमारे विभिन्न मॉनीटरिंग स्टेशनों के माध्यम से वायु, जल और ध्वनि के प्रदूषण स्तर की लगातार निगरानी (monitoring) की जाती है।

पर्यावरण मानकों की निगरानी

सीसीएल की सभी खदानों/वाशरीज की नियमित आधार पर निरीक्षण किया जातम है। वर्ष 2020–21 में, लगभग 6100 PM10 नमूने, 6100 PM2.5 नमूने, 155 स्टेशनों पर हवा में भारी धातुओं का विश्लेषण, 1800 अपशिष्ट निगरानी नमूने, 500 सतही जल गुणवत्ता के नमूने, 200 पेयजल गुणवत्ता के नमूने, 6100 ध्वनि निगरानी नमूने और डीईटीपी के 24 नमूनों की निगरानी की गई।

सरफेस माइनर्स जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया गया है जो पारंपरिक तरीकों की तुलना में खनन गतिविधियों को करने के लिए कम वायु जनित प्रदूषण पैदा कर रही हैं। इसने कोयले की ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और क्रशिंग की आवश्यकता को न्यूनतम कर दिया है। सीसीएल की नई ओपनकास्ट खानों में सरफेस माइनर्स का उपयोग किया जा रहा है

सीसीएल में PM10 एनालाइजर इंस्टालेशन : हवा की गुणवत्ता की वास्तविक समय स्थिति की प्रभावी निगरानी के लिए, सीसीएल द्वारा ऑनलाइन कनेक्टिविटी के साथ पहले चरण में रेलवे साइडिंग के लिए 25 की संख्या में पीएम10 एनालाइजर 2.53 करोड़ रू. की लागत से स्थापित किये गये हैं। सीसीएल की लगभग सभी साइडिंग में इंस्टालेशन का काम पूरा हो गया है। इन मशीनों से PM10 के स्तर की रियल टाईम ऑन लाईन मॉनिटरिंग 24 घंटे की जा सकती है। इनमें से अधिकतर मशीनों को झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (Jharkhand State Pollution Control Board) से जोड़ दिया गया है।

जल गुणवत्ता प्रबंधन

सभी वाशरीज में क्लोज्ड वाटर रीसर्क्युलेशन सिस्टम का प्रावधान किया गया है। इस व्यवस्था से वाशरियों से निकलने वाले अपशिष्ट को रोकने में सफलता मिली है। साथ ही साथ, वाशरीज में समग्र सुधार के लिए कोल ट्रांस्फर प्वाईंट्स में पानी के छिड़काव, उत्कृष्ट हाउसकीपिंग एवं वृक्षारोपण आदि किया जा रहा है।

प्रदूषण उपचार संयंत्रों, घरेलू उपचार संयंत्रों, तेल ग्रीस ट्रैप आदि के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण करने के प्रयास निरंतर किये जा रहे हैं। सूक्ष्म कणों के अवसादन एवं जलीय जीवन में सुधार के लिए खनन क्षेत्रों में जल निकायों एवं लगून विकसित किए जा रहे हैं।

खान जल उपयोग: इस संबंध में एक महत्वपूर्ण पहल घरेलू एवं सिंचाई आवश्यकता हेतु खदानों में एकत्रित जल के उपयोग एवं ग्राउंड वाटर रिचार्ज के लिए कम्पनी द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। सीआईएल और राज्य सरकार के बीच 30.10.2017 को सीसीएल के खदाानों में एकत्रित लगभग 25250 मिलियन गैलन पानी के उपयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। वर्तमान में कुल 120 गाँवों में सीसीएल के खदान के पानी का उपयोग हो रहा है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 में, सीसीएल द्वारा रामगढ़, हजारीबाग और पलामू जिले के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 40 गाँवों में खदानों का पानी के उपयोग हेतु एनओसी प्रदान की गई।

1992 से सीसीएल में अब तक 85 लाख से अधिक वृक्षारोपण किया गया है, जो कम्पनी के 3000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है।

"जब आस-पास होगी हरियाली , जीवन में होगी खुशहाली"

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पहल – 'कायाकल्प वाटिका'

भारत में कोयला ईंधन का प्रमुख श्रोत है और बिजली उत्पादन में 60% से अधिक का योगदान देता है। कोयला खनन न केवल देश की ऊर्जा की मांग को पूरा करता है बल्कि देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कोयला खनन गतिविधियाँ पर्याप्त पर्यावरणीय चुनौतियों से जुड़ी हैं। यह अक्सर महत्वपूर्ण और अपरिवर्तनीय प्रभाव पैदा करता है जैसे जैव–विविधता का नुकसान, वायु और जल प्रदूषण, भूमि परिदृश्य में परिवर्तन आदि।

सतत् कोयला उत्पादन में पर्यावरण प्रबंधन को उचित महत्व देना सीसीएल के कोयला खनन की एक पहचान है। पिपरवार क्षेत्र में कायाकल्प वाटिका कंपनी की सतत् पर्यावरण संरक्षण पहल का एक उदाहरण है। वाटिका की नींव पूर्व कोयला मंत्री माननीय श्री पीयूष गोयल ने वर्ष 2015 में पिपरवार क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान रखी थी।

कायाकल्प वाटिका एक पहल है जिसमें वर्षा जल संरक्षण, मिट्टी संवर्धन, जल निकायों का विकास और पुनः प्राप्त भूमि पर वृक्षारोपण जैसे कई अद्वितीय पहल हैं। इस वाटिका का उद्देश्य पुनर्जनन की प्राकृतिक प्रक्रिया में तेजी लाना है। शुरुआत में वाटिका 1 हेक्टेयर के क्षेत्र में शुरू की गई थी जो अब बढ़कर 20 हेक्टेयर हो गई है।

मिट्टी सभी स्थलीय जीवन का आधार है। खनन कार्य अक्सर मिट्टी के गुणों को कम करते हैं। मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए मिट्टी में नमी के स्तर और कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाना पड़ता है। इसके लिए कायाकल्प वाटिका में वर्नी कम्पोस्ट इकाई स्थापित की गई है और वाटिका में विभिन्न स्थानों पर खाद के ढेर बनाए गए हैं।

वर्षा जल संरक्षण इस वाटिका का एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कायाकल्प वाटिका के भीतर समोच्च (contour), खाइयाँ (trenches) और जल निकाय (water bodies) बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जाता है। संरक्षित जल वाटिका पानी की जरूरत को पूरा करने में मदद करता है और इस प्रकार क्षेत्र के वनस्पतियों और जीवों के वृद्धि में सहायता करता है।

वृक्षारोपण पर्यावरण की बहाली के लिए सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है। रिक्लेम्ड लैंड पर पौधे लगाना और उन्हें जीवित रखना एक चुनौती है। कायाकल्प वाटिका में देशी पौधों की प्रजातियों जैसे महुआ, शीशम, बरगद, पलाश आदि को नीम, जामुन, आँवला आदि जैसी अन्य लचीली प्रजातियों के मिश्रण के साथ वरीयता दी जाती है जो कठोर परिस्थि. तियों में जीवित रह सकती हैं। 2017 से 2019 तक तीन वर्षों के दौरान लगभग 60,000 पौधे लगाए गए। धीरे–धीरे पुनः प्राप्त भूमि एक समृद्ध जैव–विविधता में परिवर्तित हो रही है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 2019 की अपनी प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में कायाकल्प वाटिका में किए जा रहे कार्यों की सराहना की है।

वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन परिदृश्य में स्थायी खनन प्रथाएँ अनिवार्य हैं। कायाकल्प वाटिका प्राकृतिक पुनर्जनन के माध्यम से प्रकृति को ठीक करने की अनुमति देकर वन के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अद्वितीय खदान पुनः प्राप्त करने और पर्यावरण–बहाली मॉडल विकसित करने की दिशा में एक प्रयास है।

सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सीसीएल की भूमिका

राष्ट्र की प्रगति में सीसीएल अपनी अहम् भूमिका निभाते हुए न केवल कोयले के उत्पादन एवं प्रेषण को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है बल्कि सीएसआर के माध्यम से मानव संसाधन के हर संभव विकास के लिए भी सराहनीय कदम उठा रहा है। इसके कई वांछित परिणाम भी आ रहे हैं। सीएसआर के माध्यम से कई बुनियादी समस्याओं के समाधान हेतु अपनी जवाबदेही और पारदर्शिता के स्तर को सुव्यवस्थित कर एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट की भूमिका निभा रहा है।

सीसीएल अपने कमांड क्षेत्र सहित झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों के सभी आयु वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए अपने अनेक गतिविधियों के माध्यम से वंचितों, ग्रामीणों, किसानों, मजदूरों और अन्य हितधारकों के समग्र विकास के लिए पूरे जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। कंपनी ने विभिन्न सीएसआर गतिविधियों पर वर्ष 2020–21 में 56.60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जिससे खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर कौशल विकास आदि को बढ़ावा मिला है।

खेल–कूद संवर्धन

खेलों के संवर्धन के लिए समुचित निवेश कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में सीसीएल का काफी सराहनीय योगदान रहा है। खेल में युवा शक्ति को सशक्त और उनके कौशल विकास के लिए भी सीसीएल लगातार प्रयासरत है।

सीसीएल सीएसआर फंड और झारखंड राज्य सरकार के संयुक्त निवेश से खेल अकादमी चलाने के लिए झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएसपीएस) का गठन किया गया। खेल अकादमी, होटवार में अब तक, 8–12 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 437 खेल कैडेट (231 लड़के और 206 लड़कियाँ) औपचारिक स्कूली शिक्षा, बोर्डिंग के साथ 10 खेल विषयों जैसे एथलेटिक्स, कुश्ती, तीरंदाजी, फुटबॉल, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, साइकिलिंग और तैराकी में खेल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

जेएसएसपीएस को राज्य में खेल प्रोत्साहन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ संस्थान' के रूप में नामित किया गया

अब तक खेल अकादमी के कैडेटों ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में 316 स्वर्ण, 198 रजत और 188 कांस्य पदक (कुल पदक– 702) प्राप्त किए हैं। प्रत्येक खेल कैडेट को लॉकडाउन के दौरान अपने घरों से खेल प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के लिए एक टैब दिया गया।

जेएसएसपीएस कैडेटों ने असम के गुवाहाटी में आयोजित 36वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान राज्य के लिए 4 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता।

पेय जल की व्यवस्था

सीसीएल कमांड क्षेत्रों के परियोजना प्रभावित लोगों, ग्रामीणों आदि को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए।

गांवों में पानी की कमी की समस्या को हल करने के लिए कमांड एरिया के गांवों में हैंडपंप, कुएँ, डीप बोरिंग, गांवों में पाइप से पानी, वाटर प्यूरीफायर आदि की स्थापना की गई।

बिरहोर बस्ती, सीआरएस बरकाकाना में स्थापित हैण्डपंप

मगध–आम्रपाली एवं सीआरएस बरकाकाना में निर्मित सौर ऊर्जा संचालित गहरे बोरवेल

पानी का एक स्थायी स्रोत प्रदान करने के लिए पानी और बिजली की कमी वाले विभिन्न सीसीएल क्षेत्रों के दूरदराज के गांवों में जल भंडारण सुविधाओं के साथ सौर ऊर्जा संचालित डीप बोरवेल का निर्माण किया गया।

शैक्षणिक सुविधा

मानव विकास को ध्यान में रख कर सीसीएल शिक्षा के प्रति भी हमेशा प्रयासरत है। इसी दिशा में सीसीएल पूरे झारखण्ड के मेधावी छात्रों, विशेषकर अपने कर्मियों एवं कमांड क्षेत्रों के मेधावी छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक सुविधा प्रदान करने के लिए 'सीसीएल के लाल एवं लाडली' योजना चला रहा है जहाँ उनको इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित राज्य और राष्ट्रीय स्तर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए) के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा दी जाती है।

इस योजना के तहत सीसीएल के लाल एवं लाडली के छात्र–छात्राओं को मुफ्त इंजीनीयरिंग कोचिंग के साथ–साथ राज्य की राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा 11 वीं और 12 वीं के लिए मुफ्त स्कूली शिक्षा, आवासीय सुविधा, भोजन एवं रहने की सुविधा दी जाती है।

वित्त वर्ष 2020–21 में 16 में से 15 छात्रों ने एवं 4 छात्राओं ने जेईई मेन क्वालीफाई किया। अंततः 7 बच्चों ने जेईई एडवांस में क्वालीफाई किया।

सीसीएल के लाल के सफल छात्रों को सम्मानित करते सीएमडी

सीसीएल ने सीएसआर के तहत समाज के गरीब और वंचित वर्ग के 30 छात्रों के साथ "कायाकल्प पब्लिक स्कूल" शुरू किया। इन बच्चों के माता–पिता भीख माँगना, कूड़ा बीनने आदि जैसे कामों में लगे हुए हैं। छात्रों की वर्तमान संख्या 55 है। इन छात्रों को स्कूल में पाठ्य सामग्री, यूनिफॉर्म, किताबों से लेकर पौष्टिक ब्रेकफास्ट और लंच तक की पूरी सुविधा दी जाती है। छात्रों को योग और शिष्टाचार भी सिखाया जाता है और उन्हें इस तरह से तैयार किया जाता है कि वे आत्मनिर्भर और एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

वर्ष 2020–21 में, सीसीएल ने अपने कमांड क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं जैसे स्कूल किट का वितरण, डेस्क/बेंच का प्रावधान, कक्षाओं का निर्माण आदि।

कौशल विकास

सीएसआर योजना के अंतर्गत सीसीएल ने अपने कमांड क्षेत्रों में रहने वालों के कौशल विकास के लिए कारगर कदम उठाया है। सीसीएल द्वारा कौशल विकास में सीएसआर के माध्यम से निवेश न केवल एक जीवंत और कुशल श्रम बाजार विकसित करने में मदद करता है बल्कि कंपनी के सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य को भी पूरा करता है।

सीसीएल की सीएसआर योजना के तहत CIPET (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) के माध्यम से 320 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) को आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु सीसीएल और सीआईपीईटी, राँची के बीच एक समझौता ज्ञापन सम्पन्न हुआ है।

सीएसआर योजना के तहत सीसीएल के कमांड क्षेत्रों के महिलाओं के कौशल विकास के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। मगध–संघमित्रा और आम्रपाली–चंद्रगुप्त क्षेत्र में सिलाई केंद्र खोले गए हैं। पंचायत स्तर पर अब तक कुल 1307 सिलाई मशीनों का वितरण किया जा चुका है और अब तक 2 प्रशिक्षण केंद्र खोले जा चुके हैं।

सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा कई अल्पावधि आजीविका उन्मुख कार्यक्रम भी संचालित किए गए हैं।

(बायें) मगध–आम्रपाली क्षेत्र में सिलाई केंद्र एवं (दायें) कथारा क्षेत्र की 31 पंचायतों में प्रत्येक में 5 सिलाई मशीनों का वितरण का दृश्य

(बायें) सीसीएल कथारा क्षेत्र में सीएसआर के तहत ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण एवं (दायें) रजरप्पा क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं (पुरुष और महिला) को कंप्यूटर प्रशिक्षण

सीसीएल और झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी के बीच एमओयू के अंतर्गत जोन्हा में 3 मंजिला आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया गया है जिसमें 3 क्लास रूम, 3 लेबोरेटरीज, 1 कंप्यूटर रूम, डॉर्मिटरी, किचन डाइनिंग हॉल हैं।

स्वास्थ्य देखभाल एवं पोषण

कोविड–19 के वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय है। वर्ष 2020–21 में कंपनियों के सीएसआर व्यय के लिए डीपीई द्वारा तय की गई वार्षिक थीम "स्वास्थ्य एवं पोषण" है। अतः सीसीएल ने समुदाय की बुनियादी स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनी सीएसआर गतिविधियों को स्वास्थ्य देखभाल और पोषण क्षेत्र की ओर केन्द्रित किया है।

सीसीएल सीएसआर के अंतर्गत, राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों को आधुनिक आंगनवाड़ी केन्द्रों में विकसित करने के लिए संबंधित जिला प्रशासन के साथ समझौता किया गया है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, सीसीएल ने आंगनबाडी केंद्रों के उन्नयन के लिए रांची, बोकारो, हजारीबाग और लातेहार के जिला प्रशासन को 717.00 लाख रुपये हस्तांतरित किए हैं।

वर्ष 2020–21 में सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में आयोजित 219 स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लगभग 55161 व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं। जिसमें दूर–दराज के क्षेत्रों के ग्रामीणों को चिकित्सा सहायता मिली।

सीसीएल के बी एंड के एरिया में निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर

ग्रामीण विकास

सीसीएल अपने कमांड क्षेत्रों और आस–पास के गांवों के विकास के साथ–साथ उन्हें बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। ग्रामीणों के सर्वांगीण विकास के लिए सीसीएल कृतसंकल्पित है। इसी उद्देश्य की पूर्ति को ध्यान में रखकर हमारी कंपनी

हजारीबाग जिला में उन्नत आंगनबाडी केन्द्रों का दृश्य

सीसीएल द्वारा वहां सड़क, घाट, सोलर लाइट आदि के निर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं जिससे वहां रह रहे लोगों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सके।

मगध–आम्रपाली क्षेत्र के ग्रामीण घर में 1500 सोलर किट लगाई गई है

स्वच्छता

स्वच्छता को विशेष महत्व देना हमारी कंपनी की विशेषता रही है। भारत सरकार के स्वच्छता कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुए झारखंड में 200 रेलवे स्टेशनों पर प्री–फैब्रिकेटेड शौचालयों की स्थापना के कार्य को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया। इसके लिए सीसीएल, राइट्स और एसईआर के बीच 01.10.2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। जिसका उद्देश्य यात्रियों के साथ–साथ विक्रेताओं और आसपास की आबादी के लिए अत्याधुनिक शौचालस उपलब्ध कराना एवं रेलवे स्टेशनों में स्वच्छता को सुनिश्चित किया जाना है।

राइट्स, एसईआर और सीसीएल के बीच समझौता ज्ञापन

स्टेशनों के प्रत्येक शौचालय ब्लॉक में इनसिरेटर युक्त 01 सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, 01 कंडोम वेंडिंग मशीन के साथ पुरूषों के लिए 03, महिलाओं के लिए 03 एवं विकलांग उपयोगकर्ता के लिए 01 शौचालय होगा।

सीसीएल के सीएसआर विभाग ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता माह और स्वच्छता ही सेवा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के तहत, सीसीएल ने अपने मुख्यालय सहित अन्य कमांड क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों जैसे मास्क, सैनिटाइज़र, स्वच्छता किट, फेस शील्ड, परिसर और कॉलोनियों की सफाई, कचरा संग्रहण एवं निष्पादन जैसी स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया।

मगध–आम्रपाली क्षेत्र में स्वच्छता किट का वितरण

सीसीएल मुख्यालय के साथ क्षेत्रों में बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूल स्तर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

उपरोक्त के अलावा, इस क्षेत्र में 2020–21 में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, लड़कियों और लड़कों के लिए अलग शौचालय, नाली का निर्माण / नवीनीकरण आदि को नियमित सीएसआर गतिविधि के रूप में लिया गया है।

सीसीएल मुख्यालय में 50 ऑटो चालकों को स्वच्छता किट का वितरण

रजरप्पा क्षेत्र में ऑटो चालकों को फेस शील्ड, मास्क और सैनिटाइजर का वितरण

एन.के. क्षेत्र के सफाई कर्मियों के बीच दस्ताने और फेस मास्क का वितरण

पर्यावरण और सतत विकास

सीसीएन द्वारा पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु सीएसआर निधि के अंतर्गत विभिन्न कार्य किए जाते हैं, जैसे:

(क) सीसीएल के मगध और आम्रपाली क्षेत्र ने 5 गाँवों में 1500 सोलर किट बांटे गए। प्रत्येक सोलर किट में एक सोलर पैनल, बैटरी, चार्जिंग प्वाइंट, एक टेबल फैन और 2 बल्ब शामिल हैं जो सुदूर क्षेत्र में अवस्थित ग्रामीणों को अपने घरों को रोशन करने में मदद करेंगे।

(ख) अरगडा और सीआरएस बरकाकाना में वृक्षारोपण कार्य, सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कुछ अन्य गतिविधियाँ हैं।

सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में पौधारोपण अभियान

सामाजिक कल्याण

एलिम्को द्वारा व्हील चेयर और अन्य उपकरणों के वितरण के अलावा, सीसीएल क्षेत्रों द्वारा भी व्हीलचेयर का वितरण किया गया है। सीसीएल पिपरवार में पुनर्वास केंद्र और वृद्धाश्रम, नगरी, रांची में दो कमरों के साथ एक हॉल का निर्माण भी चला रहा है।

सीसीएल कथारा क्षेत्र में व्हील चेयर वितरण

उठो, जागो और जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए तब तक मत रूको!

– स्वामी विवेकानंद

सीसीएल का खान सुरक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हमारी कंपनी का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुये अपने उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करना रहा है। कोयला उत्पादन के साथ–साथ सीसीएल में सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। कर्मियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। सीसीएल के समस्त क्षेत्रों में सुरक्षा सम्बद्ध मानक संचालन प्रक्रिया परिचालित की गयी है जिसके फलस्वरूप सीसीएल में सुरक्षा संबंधी मानदंडों का सादृश अनुपालन किया जा रहा है। खान सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सीसीएल को वर्ष 2020–21 का 'कोल मिनिस्टर अवार्ड–2020' प्राप्त हुआ है।

जैसे ही कोविड महामारी की शुरूआत हुई हमारी कंपनी ने इसके दुष्परिणाम से बचाव के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए एक एसओपी तैयार किया और इसका विधिवत अनुमोदन कर सभी क्षेत्रों और विभागाध्यक्षों इसके कार्यान्वयन के लिए परिचालित (सर्कुलेट) किया ताकि हमारे कोयला कर्मी कोविड से मुकाबला करते हुए सुरक्षात्मक ढंग से कोयला का निर्बाध उत्पादन करते रहें। सीसीएल में पहली बार गैजेट अधिसूचना के अनुसार बैकशिफ्ट के दौरान खुली और भूमिगत खानों में महिलाओं की तैनाती के लिए भी एसओपी तैयार किया गया। जिससे महिला कर्मियों को खान के अंदर सुरक्षित काम करने में मदद मिली।

सुरक्षा के प्रति कार्मिकों सहित सभी हितधारकों को जागरूक करने के लिए सीसीएल द्वारा सुरक्षा से संबंधित वास्तविक घटनाओं के आधार पर विडियो बनाकर परिचालित किया जाता है ताकि ऐसी घटनाओं की पुन. रावृत्ति न हो। ज्यादा से ज्यादा कामगारों को सुरक्षा के बारे में जागरूक करने हेतु सुरक्षा वीडियो क्लिप प्रदर्शित करने के लिए खानों को स्क्रीन के साथ मल्टी–मीडिया प्रोजेक्टर (32 नग) प्रदान किए गए हैं।

खदानों के दूरस्थ स्थानों में संचार में सुधार के लिए ओपनकास्ट खानों में वॉकी–टॉकी हैंडहेल्ड (747 नग) और फिक्स्ड सेट (40 नग) उपलब्ध कराए गए हैं। इससे गंभीर दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मदद मिला है। केंद्रीय तथा क्षेत्रीय अस्पतालों द्वारा उपयोग के लिए उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस (एएलएस) प्रदान किए गए हैं। इन एम्बुलेंसों की मदद से गंभीर दुर्घटनाओं के समय पीड़ित व्यक्ति को सही समय पर उपचार मिलता है।

ओपनकास्ट और भूमिगत खदानों में सम्प के पास काम करने वाले व्यक्तियों को डूबने के खतरे से बचाने के लिए लाइफ फ्लोटेशन जैकेट प्रदान किए गए हैं। बहु–अनुशासनात्मक टीम द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सभी कार्यरत खदानों का सुरक्षा ऑडिट किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौ. रान आपातकालीन तैयारियों के लिए भूमिगत और खुली खदानों में छत गिरने, स्वतः गर्म होने, भूमिगत खदान में वायु विस्फोट, खदान में आग, एचईएमएम आग, बाढ़ आदि पर मॉक ड्रिल (54 संख्या) आयोजित की गई।

सीसीएल की भूमिगत खदानों में, हल्के वजन के एलईडी कैपलैम्प (कुल 3924 नग) जो नवीनतम तकनीक पर आधारित हैं, खनिकों को प्रदान किए गए हैं। सीसीएल की बड़ी खुली खदानों में, पिट और डंप विफलता से किसी भी खतरे से बचने के लिए डंप और पिट ढलान की निगरानी के लिए 3 डी लेजर स्कैनर (6 नंबर) प्रदान किए गए हैं। हजारीबाग, अरगडा, कुजू और रजरप्पा क्षेत्रों में एचईएमएम के लिए एएफडीएसएस (स्वचालित आग का पता लगाने और दमन प्रणाली) की खरीद की गई। टीम सीसीएल खान सुरक्षा में उत्तरोत्तर सुधार के लिए हमेशा प्रयासरत है।

"करना है बहुत काम
पर सुरक्षा पर हो अपना ध्यान"

मानव संसाधन विकास विभाग, सीसीएल की उपलब्धियाँ

सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग में प्रबंधकों, कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों के साथ–साथ इसके हितधारकों के कौशल विकास एवं ज्ञान वृद्धि हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निरन्तर किया जाता है। एमटीसी, एचआरडी, सीसीएल में हिंदी कार्यशाला, कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास सेमिनार जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसके लिए विशिष्ट संस्थानों और संगठनों की भी मदद ली जाती है जिससे कि उनके ज्ञानवर्धन में कोई कसर न रह जाए।

कोविड महामारी के दौरान भी सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग ने अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं हितधारकों को वर्ष भर विशिष्ट ज्ञान और कौशल संवर्धन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जारी रखा। लॉकडाउन के दौरान कई पाबंदियों और प्रतिबंधों के बावजूद कोविड नियमों का पालन करते हुए उनके कौशल विकास के लिए अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को नहीं रूकने दिया। वेबिनार और ऑनलाइन कार्यक्रम लगातार आयोजित किया जाता रहा। वर्ष 2020–21 में अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में सूचीबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ऑनलाइन और वेबिनार के रूप में परिवर्तित किया।

महामारी के कारण और सोशल डिस्टेंसिंग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप, सीसीएल के अधिकारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण और वेबिनार आयोजित कर प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र, मानव संसाधन विकास विभाग, सीसीएल मुख्यालय सतत प्रयासरत रहा। एमटीसी द्वारा 05 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें 108 अधिकारियों ने भाग लिया।

इसके अलावा, अधिकारियों और कर्मचारियों को आईआईसीएम, स्कोप, एएससीआई, सेबी आदि जैसे विशिष्ट संगठनों द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और वेबिनार में भाग लेने के लिए भी नामित किया गया।

सीसीएल में खनन और संबद्ध गतिविधियों में सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने के लिए मार्च 2021 में सफलतापूर्वक एक ऑनलाइन क्रॉस सहायक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में आईटीआई कोर्स शुरू करने वाली कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों में सीसीएल अग्रणी थी, यह कोर्स सबसे पहले बीटीटीआई, भुरकुंडा में शुरू किया था। पिछले बैच में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड कोर्स करने वाले छात्रों को विभिन्न एजेंसियों और संगठनों द्वारा रोजगार की पेशकश की गई है। वर्तमान में 38 छात्र बीटीटीआई, भुरकुंडा में उक्त पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

इसके अलावा, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और परियोजना प्रभावित परिवार के छात्रों को कंपनी की सीएसआर के तहत सीएसआर विभाग के सहयोग से माइनिंग सरदारों की परीक्षा में बैठने के योग्य बनाने के लिए भूमिगत खदानों में कोचिंग दी जा रही है। वर्तमान में 30 छात्रों को बीटीटीआई में माइनिंग सरदार कोचिंग प्रदान की जा रही है। पिछले बैच के कई उम्मीदवारों ने डीजीएमएस की माइनिंग सरदारशिप परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है।

बीटीटीआई, भुरकुंडा में कर्मचारियों के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं, जिनमें सामान्य जागरूकता और सुरक्षा कार्यक्रम, कैरियर विकास कार्यक्रम, विस्फोटक प्रबंधन कार्यक्रम, अग्निशमन कार्यक्रम और मानसून तैयारी कार्यक्रम इत्यादि शामिल हैं। बीटीटीआई, भुरकुंडा ने वित्त वर्ष 2020–21 में 411 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने की उपलब्धि हासिल की।

एचईएमएमएस ऑपरेटरों, डम्पर, डोजर, फावड़ा, ड्रिल, पे लोडर, ग्रेडर ऑपरेटरों के लिए विभिन्न प्रकार के बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्रीय उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (सीईटीआई), बरकाकाना में आयोजित किए जाते हैं।

तकनीकी प्रगति/सुरक्षा सुविधाओं पर जोर देते हुए हमारे अनुभवी कर्मचारियों के लिए भी विभिन्न पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सीईटीआई, बरकाकाना ने वर्ष 2020–21 में 544 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है।

मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा एमटीसी, राँची में कई आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं।

मानव संसाधन विकास विभाग, द्वारा 'सीसीएल ई–पाठशाला' नामक एक यूट्यूब चौनल शुरू किया गया है, जिसमें सीसीएल के विषय विशेषज्ञों द्वारा बनाए गए कोयला उद्योग से संबंधित सभी विषयों पर शैक्षिक वीडियो हैं। इसे लगातार अपडेट किया जाता है और विभिन्न विषयों पर नए वीडियो नियमित आधार पर अपलोड किए जाते हैं। इस पहल से सुदूर इलाके में रह रहे बच्चों को काफी लाभ हो रहा है।

भविष्य में भी मानव संसाधन विभाग का उद्देश्य अपने अधिकारियो, कर्मचारियों एवं हितधारकों के कौशल विकास के लिए प्रयासरत रहेगा ।

सीसीएल के गौरवपूर्ण क्षण

रजरप्पा क्षेत्र को स्वच्छता के लिए कोयला मंत्रालय से प्रथम पुरस्कार

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के रजरप्पा क्षेत्र को कोयला मंत्रालय द्वारा स्वच्छता माह के दौरान किए गए विभिन्न गतिविधियों के लिए अपने विभिन्न उपक्रमों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इकाई के रूप में चुना गया। सीसीएल मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में सीएमडी सीसीएल श्री पी.एम.प्रसाद ने जीएम रजरप्पा श्री आलोक कुमार को मंत्रालय की ओर से पुरस्कार प्रदान किया।

महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में पूरे देश में स्वच्छता माह मनाया गया। कम्पनी के सभी क्षेत्रों में इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम सोत्साह आयोजित किए गए। स्वच्छ भारत के गांधीवादी सपने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र ने इस अवधि के दौरान कई गतिविधियों का आयोजन किया। लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए वृक्षारोपण सहित आवासीय परिसरों, कार्यालयों, अस्पतालों की सफाई से लेकर कुओं और नालों की सफाई, छिन्नमस्तिका मंदिर की सफाई की गतिविधियाँ शामिल थीं। पूजा पंडालों, अस्पतालों आदि में वॉल पेंटिंग और स्वच्छता बैनरों के प्रदर्शन जैसे अभिनव कार्यक्रम भी कर्मचारियोंके उत्साह के प्रमाण के रूप में शुरू किए गए। विभिन्न हितधारकों को शामिल करने के लिए स्कूलों, मीडियाकर्मियों, टैक्सी और ऑटो चालकों को मास्क, फेस शील्ड, सैनिटाइज़र और स्वच्छता किट का वितरण किया गया। उन्होंने संदेश के प्रसार को व्यापक बनाने के लिए सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर स्वच्छता के बारे में प्रेरक और सूचनात्मक पोस्टर चिपकाए। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच स्वच्छता का संदेश फैलाने के लिए फल विक्रेताओं, सब्जी विक्रेताओं, चाय की दुकान मालिकों आदि को जूट बैग, पेपर कप, पेपर स्ट्रॉ आदि वितरित किए गए।

सीसीएल "कोल मिनिस्टर सेफ्टी अवार्ड" से सम्मानित

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने 21 जनवरी, 2021 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) को "कोल मिनिस्टर सेफ्टी अवार्ड" प्रदान किया। सीसीएल को सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। राष्ट्र में कोयला–खनन के क्षेत्र में श्रेष्ठ व संवहनीय कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के लिए उक्त पुरस्कार की शुरुआत की गई है।

एनसीएल को कोयला उत्पादन एवं उत्पादकता में शानदार प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया है, जबकि सीसीएल और डब्ल्यूसीएल को सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा प्रणालियों के अंगीकरण एवं संवहनीय खनन कार्यों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

यह पुरस्कार विषम परिस्थितियों में भी सुरक्षा के सभी मापदण्डों का अनुपालन करते हुये कोयला का उत्पादन करने का परिणाम है। सीसीएल का उद्देश्य खान सुरक्षा में नई–नई तकनीकों को अपनाते हुए अपना उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करना है।

खनिक

पसीने से भींगे मेरे वस्त्र।
धूल से लिपटा मेरा शरीर।।
अटूट मेरे इरादे।
अमिट मेरे विश्वास।।

पाताल जाने की ललक है मुझमें।
अंबर छूने की इच्छा है मुझमें।।
खोये को ढूंढ़ने की शक्ति है मुझमें।
भटकों को पाने का इरादा है मुझमें।।

धरती का प्यारा हूँ मैं।
सबका दुलारा हूँ मैं।
घर का न्यारा हूँ मैं।
परिवार का सहारा हूँ मैं।।

अस्त्र हो या औजार, मशीन हो या कल पुर्जे।
सभी मेरे हुनर के कायल हैं।।
डोजर, डंपर, शोवल या ड्रिल।
सभी मेरे हाथों की कठपुतलियाँ हैं।।

टगर हो या हौलेज, मोटर हो या ट्रांसफॉर्मर।
सभी मुझ पर आश्रित हैं।।
पंप हो या बल्ब, ट्रक हो या ट्रॉली।
सभी मुझ पर निर्भर हैं।।

मेरा मन, मेरा तन, मेरा विवेक,
तेरे सीमाओं को जानता है।
मेरा श्रम, मेरा प्रयास,
हर अवसर उसे लांघता है।।

पाताल को चीर दूंगा।
पत्थर को रेत बना दुंगा।।
अंधकार को मिटा दूंगा।
उजाले में नहला दूंगा।।

कब तक छुपा रहेगा तू।
कब तक खोया रहेगा तू।।
तेरी किस्मत संवार दूंगा।
तुझे जीवनदान दूंगा।।

तू तो मेरा है।
समय का फेर है।।
कल का सवेरा है।
अब नहीं देर है।।

बल लाया हूँ मैं।
ज्ञान देता हूँ मैं।।
श्रम करता हूँ मैं।
फल देता हूँ मैं।।

तुझे प्रकट होना होगा।
तुझे उपयोगी बनना होगा।।
जग के काम आना होगा।

खनिज का पर्याय बनना होगा।।

– सुनील कुमार सिंह, महाप्रबंधक (मासंवि)

यथार्थ

आरम्भ है तो
अन्त भी है
या यूं कहें कि हर आरम्भ के बाद
अन्त निश्चित है।

सुबह है तो
शाम भी है
या यूं कहें कि हर सुबह के बाद
शाम निश्चित है।

रात है तो
दिन भी है
या यूं कहें कि हर रात के बाद
दिन निश्चित है।

दुःख है तो
सुख भी है
या यूं कहें कि हर दुःख के बाद
सुख निश्चित है।

कोरोना आया
तांडव मचाया
हमें डराया
हमें रूलाया

हम भी अपनी सूझ–बूझ से
हाथों को धोया
मास्क लगाया
दो गज की दूरी अपनाकर
कोरोना को पास आने से
अपने को बचाया।

आगे भी
सावधानी है बरतना
अपने और अपनों का
टीकाकरण है करवाना
लेकर यह संकल्प
खुद और अपनों को
हमें है बचाना।

बहुत हुआ
अब भाग कोरोना
नहीं गलेगी अब तेरी दाल
याद रख,
आगे तेरी हार और
हमारी जीत
निश्चित है।

तपन कुमार बरियार, डीटीपीओ (ए1),
जनसम्पर्क विभाग, सीसीएल, राँची।

कार्यालय मे उपयोग की जाने वाली विदेशज अभिव्यक्तियों का हिंदी रूपांतरण

1.	Ad hoc	तदर्थ
2.	Ad infinitum	निरवधि
3.	Ad interim	अंतः कालीन
4.	Ad into	आरम्भ से/शुरू से
5.	Ad valorem	यथा मूल्य
6.	Amicus curiae	न्यायमित्र
7.	Bonafide	वास्तविक/असली
8.	Cum	–व–/–सह–
9.	Data	आंकड़ें
10.	De facto	वस्तुतः/वास्तविक
11.	De jure	विधितः
12.	Denove	नये सिरे से
13.	Ditto	यथोपरि/जैसे ऊपर
14.	Errata	शुद्धिपत्र
15.	Ex-gratia	अनुग्रहपूर्वक (अदायगी)
16.	Ex-officio	पदेन
17.	Ex-post facto	कार्योत्तर
18.	Ibid (Ibidem)	तदैव/वही
19.	In lieu of	के बदले में
20.	Locus standing	वैध स्थिति, अधिकारिता
21.	Malafide(s)	दुर्भावना
22.	Manifesto	घोषणा पत्र
23.	Memorandum	ज्ञापन
24.	Modus Operandi	कार्यप्रणाली
25.	Momentum	संवेग/गति मात्रा/तेजी
26.	Note Bene (N.B.)	विशेष ध्यान दीजिये
27.	Onus	भार/दायित्व
28.	Par excellence	श्रेष्ठ/उत्कृष्ठ
29.	Per annum	प्रतिवर्ष/वार्षिक/सालाना
30.	Per contra	विपरीत/विपक्ष
31.	Per mensem	प्रतिमाह/माहवार
32.	Per se	स्वतः
33.	Portfolio	संविभाग
34.	Postscript	पुनश्च
35.	Prima facie	प्रथमदृष्टया
36.	Proviso	परंतुक
37.	Proximo	आगामी मास का
38.	Proxy	प्रतिपत्र/प्रतिपत्री/परोक्षी
39.	Quantum	क्वांटम/प्रमात्रा
40.	Quid pro quo	पहुँचाये गये लाभ के बदले लाभ
41.	Quorum	कोरम (गणपूर्ति)
42.	Resume	सारवृत्त
43.	Sine qua non	अनिवार्य शर्त
44.	Sine die	अनिश्चित काल के लिए
45.	Status quo	यथा पूर्व स्थिति
46.	Suo moto	स्वतः/स्वयंमेव
47.	Tenure	अवधि/कार्यकाल
48.	Ultimo	गतमास का
49.	Ultra Vires	अधिकारातीत
50.	Veto	निषेधाधिकार
51.	Vice	के स्थान पर
52.	Vis	वीजा/प्रवेश पत्र
53.	Vis-a-vis	के सामने/की तुलना में
54.	Viva Voice	मौखिक परीक्षा
55.	Writ	रिट/याचिका

कोरोना से जंग हारने वाले दिवंगत सीसीएल कर्मियों को श्रद्धांजलि

नाम	क्षेत्र	नाम	क्षेत्र
मो. सानुयल्लाह	गिद्दी सी, अरगडा	शिबाशीष बक्सी	केदला ओसीपी, हजारीबाग
बिनोद विश्वकर्मा	गिद्दी सी, अरगडा	राजेश कुमार	कारो ओसीपी, बीएंडके
नूर सफी	रेलीगड़ा, अरगडा	बंधना रॉय	बोकारो कोलियरी, बीएंडके
बलवंत सिंह केरम	रेलीगड़ा, अरगडा	किट्टी सिंह	एकेके ओसीपी, बीएंडके
रूपन देवी	रेलीगड़ा, अरगडा	सुमित्रा देवी	जीएम युनिट, बीएंडके
दिनेश कुमार	गिद्दी सी, अरगडा	परदेशी लाल	जीएम युनिट, बीएंडके
सतीश कुमार महतो	गिद्दी सी, अरगडा	टिकु सिंह	एकेके ओसीपी, बीएंडके
संतोष महतो	रेलीगड़ा, अरगडा	अजय कुमार सिंह	बोकारो कोलियरी, बीएंडके
चत राम	गिद्दी सी, अरगडा	राजेन्द्र कुमार	बीएंडके
धारीलाल टोडू	रेलीगड़ा, अरगडा	कृष्णा पंडित	तारमी ओसीपी, ढोरी
रामबल्लभ राम	गिद्दी सी, अरगडा	राम आशीष सिंह	ढोरी
शनीचर महतो	सिरका कोलियरी, अरगडा	मदन प्रधान	ढोरी के, ढोरी
लच्छुमन सिंह	सिरका कोलियरी, अरगडा	मंगर मुंडा	एएडीओसीएम, ढोरी
भोलानाथ मांझी	तोपा कोलियरी, कुजू	बालकृष्णा	जीएमओ, ढोरी
कबूतरी देवी	जीएम यूनिट, कुजू	राम प्रसाद महतो	जीएमओ, ढोरी
द्वारिका महतो	पुंडी प्रोजेक्ट, कुजू	दासो मण्डल	एएडीओसीएम, ढोरी
किशुन महतो	कुजू कोलियरी, कुजू	एम. पी. सिन्हा	जीएम युनिट, बरका–सयाल
देवेन्द्र कुमार	पुंडी प्रोजेक्ट, कुजू	महेन्द्र	सौण्डा डी, बरका–सयाल
शिबु बेदिया	कर्मा प्रोजेक्ट, कुजू	शौकत मियाँ	बिरसा, बरका–सयाल
रनलाल महतो	कर्मा प्रोजेक्ट, कुजू	राजेश कुमार सिन्हा	जीएम युनिट, बरका–सयाल
के. के. सिंह	सारूबेरा प्रोजेक्ट, कुजू	आत्मा राम रवि	बिरसा, बरका–सयाल
तलेश्वर रजवार	केदला वाशरी, हजारीबाग	लालजी मांझी	उरीमारी प्रोजेक्ट, बरका–सयाल
पारस नाथ महतो	टीएसओपी एम, हजारीबाग	दिगेश्वर महतो	बिरसा, बरका–सयाल
राजेश लोहरा	हजारीबाग	अजित फ्रांसिस एक्का	भुरकुंडा, बरका–सयाल
अशोक साव	केयूजीपी, हजारीबाग	रोहन रविदास	उरीमारी यू/जी, बरका–सयाल
बैजनाथ मांझी	जेओसीपी, हजारीबाग	ज़फर ईमाम	बिरसा, बरका–सयाल
भानू प्रताप सिंह	जेओसीपी, हजारीबाग	अब्दूल कलाम अंसारी	बिरसा, बरका–सयाल
प्रदीप लकरा	जेओसीपी, हजारीबाग	बिन्दू प्रजापति	उरीमारी, बरका–सयाल
साहेब राम	केदला ओसीपी, हजारीबाग	दशरथ मांझी	उरीमारी, बरका–सयाल

नाम	क्षेत्र	नाम	क्षेत्र
भीम सिंह	बिरसा, बरका–सयाल	गोपाल चन्द्र मण्डल	कथारा कोलियरी, कथारा
ए. के. चक्रवर्ती	बिरसा, बरका–सयाल	लक्ष्मी देवी	कथारा कोलियरी, कथारा
सुरेश घासी	भुरकुंडा, बरका–सयाल	बी. के. कुजूर	कथारा कोलियरी, कथारा
धरमदेव यादव	आरडब्ल्यू सौंडा, बरका–सयाल	एस. के. सरकार	कथारा कोलियरी, कथारा
बिकास चन्द्र दे	भुरकुंडा, बरका–सयाल	इन्द्रदेव मांझी	कथारा कोलियरी, कथारा
बीरबल मांझी	भुरकुंडा, बरका–सयाल	सानु दास	कथारा वाशरी, कथारा
किसनाथ बेदिया	उरीमारी, बरका–सयाल	मो. इलियास अंसारी	कथारा वाशरी, कथारा
सीता गंझू	सयाल–डी, बरका–सयाल	सुभाष कुमार विश्वकर्मा	जीवीपी प्रोजेक्ट, कथारा
भकरा मांझी	भुरकुंडा, बरका–सयाल	शंकर	स्वांग कोलियरी, कथारा
सावीर अहमद	उरीमारी प्रोजेक्ट, बरका–सयाल	जगेश्वर प्रसाद नायक	स्वांग कोलियरी, कथारा
रामकृत चौहान	भुरकुंडा प्रोजेक्ट, बरका–सयाल	केश्वर मिस्त्री	रजरप्पा
जीतेन्द्र सिंह	भुरकुंडा प्रोजेक्ट, बरका–सयाल	रामधीर चौहान	जीएम युनिट, मगध–आम्रपाली
आशीष कुमार दत्ता	सीईटीआई, बरकाकाना	अमृकेश चतुर्वेदी	आम्रपाली ओसीपी, आम्रपाली
जगदीश राम	सीआरएस, बरकाकाना	वी. एस. सिंह	सीसीएल मुख्यालय
जगदीश महतो	रोहिणी, एनके	सुस्मिता मिश्रा	सीसीएल मुख्यालय
धर्मेन्द्र गंझू	पूरनाडीह, एनके	संजीव प्रसाद	सीसीएल मुख्यालय
भीम सेन सिंह	जीएमओ, एनके	मनीषा गुप्ता	सीसीएल मुख्यालय
बिसनाथ राम	रोहिणी, एनके	पंकज वर्मा	सीसीएल मुख्यालय
संतोष कुमार यादव	डकरा प्रोजेक्ट, एनके	जी. सी. रजक	सीसीएल मुख्यालय
फागु बाउरी	चूरी, एनके	ए. के. शर्मा	सीसीएल मुख्यालय
मो. असगर अली	रोहिणी, एनके	प्रभात कुमार	सीसीएल मुख्यालय
मिथिलेश कुमार	केडीएच एवं डकरा, एनके	प्रभा शंकर मिश्रा	सीसीएल मुख्यालय
राजेन्द्र चौहान	डकरा प्रोजेक्ट, एनके	सुनील कुमार सिंह	सीसीएल मुख्यालय
सहदेव महतो	डकरा प्रोजेक्ट, एनके	सानिका उराँव	सीसीएल मुख्यालय
जय गोविंद	डकरा प्रोजेक्ट, एनके	लिपिका कटफोर्मा	सीसीएल मुख्यालय
ईश्वरी साव	पिपरवार	मुरली सिंह	सीसीएल मुख्यालय
अशोक डी चन्देकर	पिपरवार	खिक दास	सीसीएल मुख्यालय
बबलू महतो	पिपरवार	सुरेश मिस्त्री	गांधीनगर अस्पताल
नेमचंद महतो	पिपरवार	धनेश्वर राम	गांधीनगर अस्पताल
ललन भुइयाँ	पिपरवार		
अवधेश नारायण प्रसाद	जीवीपी प्रोजेक्ट, कथारा	सभी दिवंगत कर्मियों को शत्–शत् नमन!	

खबरों में सीसीएल

CCL CELEBRATES NATIONAL UNITY DAY

RANCHI: On the occasion of the birth anniversary of Ironman of India Sardar Vallabh Bhai Patel, National Unity Day(Rashtriya Aketa Diwas) was celebrated in Central Coalfields Limited, a subsidiary of Coal India. Floral tributes were paid to Bharat Ratna Sardar Patel on this occasion by CMD P.M.

देश की ऊर्जा जरूरत को पूरा कर रहा सीसीएल

CCL inks MoUs for setting up ICU

MI NEWS SERVICE

...ANCHI: Central Coalfields ...mited (CCL), a Jharkhand-...ed subsidiary of Coal ...a, has signed two ...orandum of ...standing (MoUs) with ... administration of ...and for creation of ... containment ...and setting up of ...Care Unit (ICU) to ...mmunity when the ...d patients are on ... the state. Few ...d employees of ... lost their lives ...9 while won

contribution of Rs 95 lakh towards setting up of 6 bed ICU+6 bed Recovery at Sadar ...

district administration of 8 districts where our mines operate.

There were also distribution of dry food grains, masks ...

tres of CCL including Gandhinagar Central Hospitals and Ramgarh Central Hospital for the people as well its employees.

Many stakeholders, who are affected with Coronavirus are undergoing treatment at Gandhinagar Central Hospital, Ramgarh Hospital and other hospitals for treatment.

With the view to protect the lives of common people, CCL has also come up with advertisements for the appointment of medical executives during the ongoing pandemic.

Chairman, CIL, Pramod Agarwal also conducted a meeting with CCL and other subsidiaries to take stock of situations and issued necessary directives.

Recently CMD CCL PM Prasad also visited ...

उत्कृष्ट कार्यों के लिए सीसीएल को मिला कॉरपोरेट सेफ्टी अवार्ड

माइंस सेफ्टी में सीसीएल को कारपोरेट सेफ्टी अवार्ड

जास, रांची : कोल इंडिया-सीसीएल के 46वां स्थापना दिवस पर सीसीएल को माइंस सेफ्टी ...

कोयला उत्पादन में सीसीएल बहुमूल्य योगदान देगा : सीएमडी

सीसीएल को मिला कॉरपोरेट सेफ्टी अवार्ड

कोल इंडिया और सीसीएम का 46वां स्थापना दिवस समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया/सीसीएल के 46वें स्थापना दिवस के अंतर्गत कोल इंडिया द्वारा सीसीएल को माइंस सेफ्टी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु 'कॉरपोरेट सेफ्टी अवार्ड' (प्रथम अवार्ड) से सम्मानित किया गया। इसी तरह सीसीएल के मगध-आम्रपाली क्षेत्र को बेस्ट परफोरमेंस हेतु सम्मानित किया गया। जबकि

ऊर्जा की खपत को पूरा करने के सीसीएल हमेशा तैयार : पीएम प्र...

सीसीएल ने कोरोना संक्रमित मरीजों को सुविधा मुहैया कराने के लिए छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

'योग यान से रोग निदान' ऑनलाइन प्रशिक्षण का शुभारंभ

ऑनलाइन माध्यम से आमजनों को योगाभ्यास करायेगा सीसीएल

सोशल मीडिया में सीसीएल

Pralhad Joshi @JoshiPr... · 21 Jan

Winners of Coal Minister Award 2020:

- @NCL_SINGRAULI for Coal Production
- @CCLRanchi for Safety
- @TeamWCL for Sustainability

Congratulations to the winners! Hoping the coal companies will set new benchmark in production, safety and quality in the coming time. Best wishes.

Central Coalfields Limited · 27 Mar

Unbelievable !

Coal dispatch of **80 rakes** in a day !

#TeamCCL break its own record consecutively for the 3rd time in a month amidst #COVID19 resurgence.

सीसीएल ने एक दिन में **80** रेक कोयला प्रेषण कर एक माह में लगातार तीसरी बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। #RailCoalSynergy

Pralhad Joshi @JoshiPra... · 29 Jul

Keep up the good work, @CCLRanchi.

> **Central Coalfields Li...** · 26 Jul
>
> Fighting against the common enemy of #Covid19, #TeamCCL has been working in unison with State Govt right from the beginning. It is contributing not only in Latehar Dist...

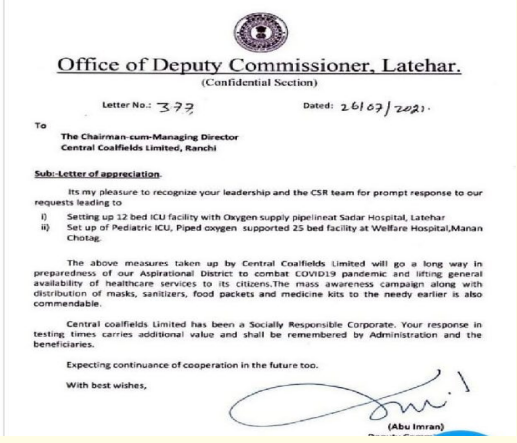

Office of Deputy Commissioner, Latehar.
(Confidential Section)

Letter No.: 377 Dated: 26/07/2021.

To
The Chairman-cum-Managing Director
Central Coalfields Limited, Ranchi

Sub:-Letter of appreciation.

Its my pleasure to recognize your leadership and the CSR team for prompt response to our requests leading to

i) Setting up 12 bed ICU facility with Oxygen supply pipelineat Sadar Hospital, Latehar
ii) Set up of Pediatric ICU, Piped oxygen supported 25 bed facility at Welfare Hospital,Manan Chotag.

The above measures taken up by Central Coalfields Limited will go a long way in preparedness of our Aspirational District to combat COVID19 pandemic and lifting general availability of healthcare services to its citizens.The mass awareness campaign along with distribution of masks, sanitizers, food packets and medicine kits to the needy earlier is also commendable.

Central coalfields Limited has been a Socially Responsible Corporate. Your response in testing times carries additional value and shall be remembered by Administration and the beneficiaries.

Expecting continuance of cooperation in the future too.

With best wishes,

(Abu Imran)

Office of Pralhad Joshi @P... · 13 Mar

Indeed, records are made to be broken. Great achievement @CCLRanchi! Best wishes on achieving annual targets.

> **Central Coalfields Li...** · 13 Mar
>
> 'Records are made to be broken'
>
> Another ground breaking feat. #TeamCCL broke its month old record of 64 rakes by dispatching 7...

टोक्यो ओलम्पिक 2020 में स्वर्णिम इतिहास रचने एवं देश को गौरवान्वित करने वाले भारत के अनमोल रत्न

नीरज चोपड़ा – स्वर्ण पदक

मीराबाई चानू – रजत पदक

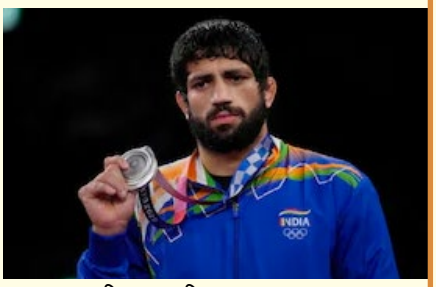

रवि कुमार दहिया – रजत पदक

पी वी सिंधु – कांस्य पदक

लवलीना बोरगोहेन – कांस्य पदक

बजरंग पुनिया – कांस्य पदक

भारतीय पुरूष हॉकी टीम – कांस्य पदक

ध्यान दें!
सावधानी बरतें, सुरक्षित रहें
मास्क पहनकर रखें
कोरोना नियमों का पालन करें

खुद बचें,
अपनों को बचाएँ

टीकाकरण अपनाएँ

VACCINATION
COUNTER